3F3 **C3**

D.El.Ed. Examination
JUNE, 2017
First Year (2016 Revised Syllabus)
CURRICULUM, PEDAGOGY AND EVALUATION
(Hindi Medium)
Time : 11.00 to 1.00 Hrs.

Date : 3/6/2017 **(3 Pages)** **Max. Marks : 40**

1. सूचनानुसार निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 8

(अ) एक वाक्य में उत्तर लिखिए : 4

(1) अभ्यासक्रम विकसन के कितने टप्पे (स्टेज) हैं ? 1

(2) भूमिका पालन के प्रतिमान के जनक कौन हैं ? 1

(3) ई-लर्निंग के लिए आवश्यक होने वाले **दो** साधन लिखिए । 1

(4) रुब्रिक का अर्थ लिखिए । 1

(ब) विसंगत घटक पहचानिए : 2

(1) ध्येय, उद्देश्यबिन्दु, संरचना, सामाजिक प्रणाली । 1

(2) द्विपर्यायी प्रश्न, बहुपर्यायी प्रश्न, जोड़ी मिलाइये, रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । 1

(स) सहसंबंध लिखिए : 2

(1) प्रगति का मापन : प्रावीण्य कसौटी ::

गलतियों का निदान : ..... । 1

(2) संकल्पना प्राप्ति प्रतिमान : ज्ञान प्रक्रियाकरण प्रतिमान ::

सर्जनात्मक विकास प्रतिमान : ..... । 1

2. *निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 60 से 80 शब्दों में लिखिए :* 8

(1) पाठ्यक्रम की समकेन्द्र रचना क्या है ? 2

(2) अध्ययन के लिए 'ई' लायब्ररी का आप कैसे उपयोग करेंगे ? 2

(3) आप दैनंदिन निरीक्षण नोंद कैसे रखेंगे ? 2

(4) मूल्यमापन त्रिकोण को आकृति द्वारा स्पष्ट कीजिए । 2

3. *निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 120 से 160 शब्दों में लिखिए :* 12

(1) ऑनलाईन अध्ययन का नियोजन आप कैसे करेंगे ? 3

(2) लघूत्तरी प्रश्नों के कोई भी तीन प्रकार सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । 3

(3) अभ्यास विकसित करते समय अभ्यासक्रम विकसन के कोई भी छः मूलभूत तत्त्वों का विचार करेंगे, उन्हें स्पष्ट कीजिए । 3

अथवा

अभ्यासक्रम निर्मिती में प्राथमिक शिक्षक के नाते आप कौनसी भूमिका निभायेंगे ?

(4) पेडॉगॉगी व अँन्ड्रागॉगी में अन्तर लिखिए (छः मुद्दे) । 3

अथवा

स्वनिर्देशित अध्यापनशास्त्र (अँन्ड्रागॉगी) व स्वनिर्धारित अध्यापनशास्त्र (ह्युटॉगॉगी) में अंतर लिखिए (छः मुद्दे) ।

4. *निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 से 250 शब्दों में लिखिए :* 12

(1) आर.डब्ल्यू टेलर के अभ्यासक्रम विकसन के प्रतिमान के **चार** टप्पे (स्टेज) स्पष्ट कीजिए । 4

(2) अध्यापन प्रतिमान के मूलभूत घटक स्पष्ट कीजिए । 4

(3) अनुदेश की नौ घटनाएँ लिखकर उसमें से कोई **दो** घटनाओं का उपयोग कक्षा अध्यापन में आप कैसे करेंगे ? 4

अथवा

CIPP प्रतिमान की **चार** पद्धतियाँ लिखकर प्रतिमान का महत्व कैसे स्पष्ट करेंगे ?